सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 183 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 अगस्त, 2024

मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

भारतीय हॉकी टीम का स्वर्णिम सपना... 7 | यूपी की जंग बिगाड़ेगी भाजपा... 3 | जाति जनगणना और आरक्षण... 2

विनेश को डिस्क्वालीफाई करने पर पूरा देश आग बबूला

परिवार ने फेडरेशन पर लगाए गंभीर आरोप

प्रधानमंत्री ने पीटी उषा से की बात विपक्ष ने कहा साजिश की जांच हो

- सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक पहलवान के समर्थन में उतरे
- सड़क से सदन तक उठा मुद्दा
- खेलमंत्री सदन में देंगे बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालीफाई होने से पूरा देश सदमे है। दरअसल विनेश स्वर्ण पदक के करीब पहुंच गई थी। उन्हें आज फाइनल मुकाबले में लड़ना था पर ऐन मौके पर 50 किलोग्राम वर्ग में कुश्ती फाइनल खेलने विनेश का वजन 100 ग्राम ज्यादा होने से वह डिस्क्वालिफाई कर दिया। इस खबर के भारत आते ही यहां सड़क से लेकर सदन तो कोहराम मच गया।

वहीं इस फैसले से विनेश की तबियत बिगड़ी जहां उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों इस फैसले से स्तब्ध रह गए। पीएम नरेन्द्र मोदी ने ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से पूरे मामले को पूरजोर तरीके अतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ में उठाने को कहा है। उधर विनेश परिवार ने इसके पीछे षड़यंत्र का भी आरोप लगाया है। वहीं संसद में फोगाट को डिस्क्वालीफाई करने का मुद्दा भी उठा। विनेश ने मंगलवार रात इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। वहीं, विपक्षी सांसदों ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 से अयोग्य घोषित करने का मुद्दा लोकसभा में उठाया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि केंद्रीय खेल मंत्री आज दोपहर 3 बजे इस मामले पर बयान देंगे।

कड़ा विरोध दर्ज कराए ओलंपिक संघ : मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से बात की और उनसे इस मुद्दे पर भारत के पास मौजूद विकल्पों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मांगी। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। मोदी ने एस पर लिखा कि विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं! आप भारत का गौरव हैं और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज का झटका दुख देता है। काश शद उस निराशा की भावना को व्यक्त कर पाते जो मैं अनुभव कर रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं जानता हूं कि आप लचीलेपन का प्रतीक हैं। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आओ! हम सब आपके पक्ष में हैं।

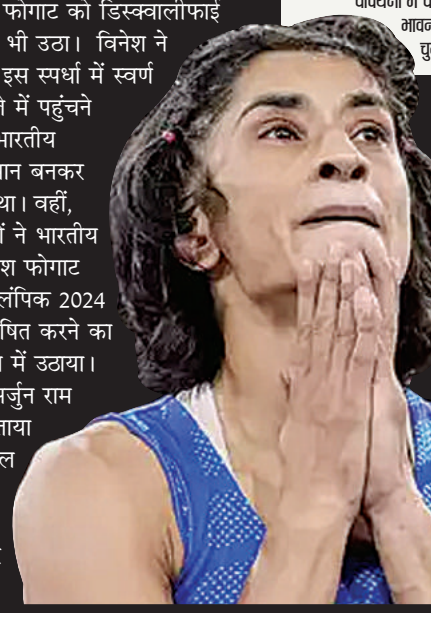

'देश के लिए नुकसान'

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण महिला कुश्ती में अयोग्य घोषित किए जाने पर कैसरगंज से भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने कहा, यह देश के लिए नुकसान है। फेडरेशन इस पर विचार करेगा और देखेगा कि या किया जा सकता है।

विनेश ने अपने खेल से जीता दिल : थरूर

कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर ने विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने पर कहा है कि भले ही भारत को मेडल नहीं मिल रहा है, लेकिन उन्होंने देश का दिल जीता है. मुझे इस बात का दुख है कि उन्हें जो ईनाम मिलना चाहिए था, वो नहीं मिल रहा है। थरूर ने कहा दिल्ली के रास्ते में और पेरिस के अखाड़े में उन्होंने जो किया, पूरे देश को उस पर गार्व है, विनेश ने जिस तरह की हिमत, ताकत और काबिलियत दिखाई है, उसे हम भूल नहीं सकते हैं, मुझे पता नहीं कि टेनिकली वजन को लेकर या हुआ है, इसमें कोच की भी जिमेदारी है, विनेश को लेकर मेरे मन में ये दुख है कि उनको जो ईनाम उनके प्रयास के लिए मिलना चाहिए था, वो नहीं मिल पाया है, फाइनल तक पहुंचना गर्व की बात है। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने भी साजिश की बात कही है।

ये विनेश का नहीं देश का अपमान, ओलंपिक का बहिष्कार हो : संजय सिंह

आन नेता संजय सिंह ने कहा कि यह विनेश फोगाट का नहीं पूरे देश का अपमान है। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत हस्तक्षेप करे और विनेश फोगाट की मदद करे। सिंह ने कहा कि पूरा देश विनेश के साथ खड़ा है। अगर बात ना मानी जाए तो ओलंपिक का बहिष्कार करे।

केंद्रीय कर्मचारियों के साथ अन्याय कर ही एनडीए सरकार : अखिलेश

बोले- 'वैश्विक आर्थिक महाशति' बनने के दावे का मतलब या

- 18 महीने के डीए का एरियर न दिए जाने के फैसले पर बीजेपी पर भड़के सपा प्रमुख
- सरकार को भुगतना पड़ेगा खामियाजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने केंद्रीय कर्मचारियों के समथर्न में एनडीए सरकार को घेरा है। उन्होंने कर्मियों ने 18 महीने के डीए का एरियर न दिए जाने के फैसले को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अखिलेश ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सरकार के 'वैश्विक आर्थिक महाशक्ति' बनने के दावे का मतलब क्या ये है कि कर्मचारियों को उनके अधिकार का पैसा भी नहीं मिले।

केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों को 18 महीने के डीए का एरियर देने से मना करना, एक तरह से 'सरकारी गारंटी' से इंकार करना है। अखिलेश ने आगे लिखा, सरकार बताए लगातार बढ़ते 'जीएसटी कलेक्शन, कई 'ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी' का पैसा कहां जा रहा है? अरबों के जहाज और टपकते भवनों के लिए तो पैसा है, लेकिन सही मायने में सरकार को चलानेवाले कर्मचारियों के लिए नहीं। एक तरफ़ महंगाई का बढ़ना दूसरी तरफ़ महंगाई भत्ता न मिलना, सीमित आय वाले कर्मचारियों पर दोहरी मार है। घर की चिंता जब सिर पर हावी होगी, तो कार्य-क्षमता पर भी असर होगा, जिसका ख़ामियाज़ा सरकार को भुगतना पड़ेगा। भाजपा की सरकारें वैसे भी चुनाव लड़ती हैं, काम तो करती नहीं हैं, और जो काम करते हैं उनको उचित वेतन नहीं देतीं।

बुजुर्गों की भी सगी नहीं भाजपा सरकार

सपा प्रमुख ने कहा, भाजपा सरकार बुजुर्गों की भी सगी नहीं है, जिनके दवा-देखभाल के खर्चे तो बढ़ रहे हैं, लेकिन पेंशन नहीं। अब या सरकार ये चाहती है कि वरिष्ठ नागरिक 'पेंशन के लिए अनशन' करें। रेलवे की छूट बंद करके वैसे भी भाजपा ने वरिष्ठ नागरिकों का अपमान-सा किया है।

वि राज्य मंत्री ने संसद में दी थी जानकारी

वि राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इस संबंध में लोकसभा में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांग का ज्ञापन केंद्र सरकार को मिल गया है। लेकिन अभी उनकी मांग पूर कर पाना संभव नहीं है। सरकार के इस फैसले से एक करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मियों और पेंशनरों को झटका लगा है।

जाति जनगणना और आरक्षण सीमा बढ़ाने के लिए लगाएंगे जोर : मनोज यादव

» मंडल दिवस पर जुटेंगे कांग्रेसी हस्ताक्षर अभियान का समापन आज

» सपा और कांग्रेस में उपचुनाव के साथ हरियाणा-महाराष्ट्र पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक करने की मांग को और तेज करेगी। इसको लेकर वह हस्ताक्षर अभियान चला रही है। बुधवार को प्रदेश मुख्यालय में मंडल दिवस पर इस अभियान का समापन होगा और एक लाख हस्ताक्षर युक्त पत्र राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। कांग्रेस के अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग और फिशरमैन विभाग संयुक्त रूप से 26 जुलाई से हस्ताक्षर अभियान चला रहा है।

विभिन्न जिलों में चले अभियान के बाद बुधवार को प्रदेश मुख्यालय में मंडल दिवस और गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि वर्ष 1990 में मंडल कमीशन की सिफारिशों के लागू होने की वर्षगांठ सात अगस्त है। इसलिए इसी दिन प्रदेशभर के कांग्रेस नेताओं को प्रदेश मुख्यालय बुलाया गया है। करीब एक लाख हस्ताक्षर युक्त पत्र राष्ट्रपति को भेजा जाएगा।

सपा और कांग्रेस का सफर लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव में भी जारी रखने के लिए कई दौर की वार्ता हो चुकी है, पर अभी तक यह वार्ता अपने अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। कांग्रेस जहां यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में हिस्सेदारी चाहती है, वहीं सपा ने महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा आम चुनाव में सीटें मांगी हैं। वर्ष 2019 में महाराष्ट्र और हरियाणा के आम चुनाव के साथ ही यूपी में विधानसभा उपचुनाव हुए थे। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार भी यूपी के उपचुनाव इन दोनों राज्यों के आम चुनाव के साथ अक्टूबर में होंगे। यूपी में करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, खैर, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां और मीरापुर में उपचुनाव होने हैं।

राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के एजेंडे को जन-जन तक पहुंचाएंगे : आलम

अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम एवं फिशरमैन कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र निषाद ने कहा कि राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के एजेंडे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह अभियान लगातार चलाया जाएगा। जाति जनगणना कराने और आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की पाबंदी हटाने की मांग का पूरे प्रदेश में समर्थन मिला है।

विधायक अभय सिंह की पत्नी और पिता ने छोड़ी सपा, भाजपा में शामिल

यूपी में समाजवादी पार्टी को झटका लगा है। गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह के पिता भगवान बख्श सिंह व पत्नी सरिता सिंह सहित भाजपा में शामिल हो गए। उन्हें उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। अभय सिंह ने राज्यसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। इसके अलावा करुणाकर पांडे, पूर्व सांसद संतोष कुमार सिंह, चौधरी सरदार सिंह, पूर्व विधायक अशोक सिंह, पूर्व विधायक पहलवान सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष सुशीला देवी, नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्नी देवी, बसपा के वरिष्ठ नेता कुंवर वकील चंद्र भी भाजपा में शामिल हो गए।

सदन में झूठ बोलते हैं बीजेपी के सांसद : श्रीनेत

» अंबानी की शादी में प्रियंका गांधी के शामिल होने की बात पर भाजपा-कांग्रेस में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अनंत अंबानी की शादी को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दरअसल कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में यह झूठा दावा किया है कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुईं थीं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर पोस्ट किया, सांसद निशिकांत दुबे को झूठ बोलने की लत है।

आज उन्होंने लोकसभा में कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अंबानी परिवार के विवाह समारोह में शामिल हुई थीं। ये सरासर झूठ है। उन्होंने कहा, निशिकांत दुबे जी, झूठ बोलने की ये बुरी आदत छोड़ दीजिए और कान पकड़कर माफी मांगिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने कहा कि प्रियंका गांधी शादी में शामिल नहीं हुई थीं और वह उस समय विदेश में थीं।

दुबे को माफी मांगनी चाहिए

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि दुबे को माफी मांगनी चाहिए। दुबे ने मंगलवार को लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस महासचिव के अंबानी परिवार की शादी समारोह में शामिल होने का दावा किया था। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सदन में यह मुद्दा उठाया और दावा किया कि भाजपा सांसद सदन में झूठ बोलते हैं और उन्हें ऐसा करने की अनुमति भी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपति के परिवार के वैवाहिक समारोह में कांग्रेस महासचिव शामिल नहीं हुई थीं।

अग्निवीर स्कीम में सुधार की जरूरत : वीके सिंह

» टूर ऑफ ड्यूटी से प्रेरित है यह योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना की अग्निवीर स्कीम को लेकर लंबे वक्त से देश का सियासी पारा हाई है। कांग्रेस समेत अधिकांश विपक्षी दल अग्निवीर स्कीम को लेकर बीजेपी सरकार पर हमलवार हैं। सड़क से लेकर संसद तक सेना में अग्निवीरों की भर्ती का मसला छाया हुआ है। इस बीच रिटायर्ड जनरल वीके सिंह ने अग्निवीर स्कीम को लेकर बेबाकी से अपनी राय रखी है।

एक यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा है कि अग्निवीर स्कीम को एक साल हो गया है। ऐसे में मिड कोर्स करेक्शन करना पड़ेगा, जिससे ये अंदाजा लग सके कि इसमें और क्या अच्छा किया जा सकता है। मिड कोर्स करेक्शन में ही सबकी भलाई है।सिंह ने कहा कि सेना में एक आइडिया काफी फेमस है, इसे टूर ऑफ ड्यूटी कहते हैं। आमतौर पर उन देशों में जिनमें जनसंख्या कम है। पूरा देश टूर ऑफ ड्यूटी के लिए जाता है और देश की सेवा करता है। अग्निवीर का आडडिया भी कुछ इस तरह का ही है। उन्होंने कहा, सेना ने अग्निवीर का प्रेजेंटेशन दिया था और बताया था कि इस भर्ती योजना से लोग ज्यादा से ज्यादा सेना में आएंगे। लेकिन जब हम किसी भी चीज को शुरू करते हैं तो वह शत-प्रतिशत सही नहीं होती है।

15 अगस्त को आतिशी फहराएंगी तिरंगा : केजरीवाल

» सीएम ने एलजी को चिट्ठी लिख बताया नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। सीएम ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में तिरंगा फहराने को लेकर चिट्ठी लिखी है। सीएम ने कहा कि 15 अगस्त को मेरी जगह मंत्री आतिशी तिरंगा फहराएंगी। अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। इससे पहले उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली आबकारी नीति मामले के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को रद्द करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। गिरफ्तारी को रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गई। हालांकि, अदालत ने केजरीवाल को जमानत के लिए निचली अदालत जाने की छूट दी। केजरीवाल ने जमानत के लिए सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने सोमवार को जमानत के मामले में मेरिट के आधार पर फैसला करने से इनकार कर दिया और मुख्यमंत्री से ट्रायल कोर्ट जाने को कहा। अदालत ने निर्देश दिया, जहां तक जमानत याचिका का सवाल है, इसे ट्रायल कोर्ट जाने की स्वतंत्रता के साथ निपटाया जाता है।

भाजपा का प्रदर्शन, केजरीवाल को सीएम पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग भाजपा ने तेज कर दी है। भाजपा ने कहा है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी को अदालत ने वैध बताया है। नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री बने रहने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। इस मांग को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में निगम पार्षद, वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है। तिहाड़ के बाहर इस्तीफे की मांग को लेकर रोष प्रदर्शन किया और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को कानूनी रूप से वैध बताया है। अब उन्हें पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं बचा है। दिल्ली की जनता भी मांग कर रही है कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट भी इससे पहले उन्हें इशारा दे चुका है। वह शराब घोटाले के मुख्य सूत्रधार है और इसी आधार पर हाईकोर्ट ने उनकी याचिका रद्द की है।

पूर्व बसपा सांसद उमाकांत यादव पर दर्ज होगा मनी लॉन्ड्रिंग का केस

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) खुटहन से तीन बार विधायक व मछलीशहर के पूर्व बसपा सांसद उमाकांत यादव पर जल्द ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करेगा। आजमगढ़ पुलिस ने उमाकांत के खिलाफ दर्ज मुकदमों व संपत्तियों की जानकारी ईडी को सौंप दी है।

लखनऊ स्थित ईडी के जोनल कार्यालय के अधिकारियों ने बीते दिनों आजमगढ़ के एसपी को पत्र लिखकर जानकारी मांगी थी। साथ ही, उनके बेटे रविकांत पर दर्ज मुकदमों का ब्योरा भी देने को कहा था। सूत्रों की मानें तो ईडी के अधिकारियों ने आजमगढ़ पुलिस से मिली जानकारी का अध्ययन करना शुरू कर दिया है। इसमें मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज करने की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। उमाकांत पर पहला मुकदमा वर्ष 1977 में दर्ज हुआ था। इसके बाद आजमगढ़, लखनऊ और जौनपुर में 36 आपराधिक मामले दर्ज हुए। इसमें धोखाधड़ी, लूट, हत्या व लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे अन्य कई गंभीर मामले शामिल हैं। यही नहीं, दो साल पूर्व जीआरपी सिपाही हत्याकांड में उमाकांत समेत सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है।

यूपी की जंग बिगाड़ेगी भाजपा का खेल!

चुनावी राज्यों में भी बिगड़ सकते हैं समीकरण

- महाराष्ट्र-हरियाणा में भी पार्टी के अंदर शुरू हुई सुगबुगाहट
- एक-दूसरे पर निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ रहे योगी-केशव
- कर्नाटक-राजस्थान व झारखंड में सहयोगी उठाने लगे आवाज
- यूपी में अभी भी जारी है टसल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही भाजपा के अंदर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कहीं भाजपा के नेता ही एक-दूसरे पर उंगली उठा रहे हैं और अपनों को ही घेर रहे हैं। तो वहीं आरएसएस और भाजपा के बीच भी ऑल इज़ नॉट वेल की स्थिति देखने को मिल रही है। जहां संघ चुनाव नतीजों के बाद से लगातार बीजेपी पर हमलावर है। हालांकि, पिछले दिनों बीजेपी की ओर से आरएसएस से फिर संबंध मधुर करने का प्रयास किया गया है। जिसके बाद से सार्वजनिक तौर पर संघ की ओर से बयानवाजी में कुछ कमी आई है।

हालांकि, अंदर ही अंदर अभी भी संघ और भाजपा के बीच मनमुटाव बना हुआ है। चुनाव के नतीजे इस बार भाजपा के लिए मनमुताबिक नहीं रहे। यही कारण है कि इस बार सरकार पर आवाजें उठाने वाले सिर्फ विपक्ष में ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष में भी हैं। क्योंकि इस बार ये असल मायने में एनडीए गठबंधन की सरकार है। ऐसे में सहयोगियों की आवाजें भी इस बार काफी मुखर हो रही हैं। सहयोगी दल अपनी मांगों को भी मुखरता से उठा रहे हैं और अपनी बातें भी खुलकर रख रहे हैं। सहयोगियों का मांग करना और आवाज उठाना तो लाजिमी थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भाजपा के अंदर से भी आवाजें उठ रही हैं और पार्टी के अंदर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सबसे बड़ी बात कि ऐसा किसी एक राज्य में नहीं बल्कि कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। फिर चाहें वो यूपी हो, महाराष्ट्र हो, हरियाणा हो या फिर कर्नाटक हो। अधिकतर राज्यों में लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद भाजपा के अपने ही अपनों पर उंगली उठा रहे हैं। एक-दूसरे पर लोकसभा नतीजों का ठीकरा फोड़ रहे हैं। एक तो वैसे भी 240 सीटों पर सिमट जाने के चलते पीएम मोदी इस बार कांटों भरी कुर्सी पर बैठे हैं। ऊपर से पार्टी के अंदर भी जिस तरह से उथल-पुथल मची है, वो नरेंद्र मोदी के लिए और भी मुश्किलें खड़ी कर रही है।

इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होना है तो वहीं कुछ राज्यों में अगले साल चुनाव हैं। ऐसे में बीजेपी के अंदर मची ये अंतरकलह कहीं न कहीं इन चुनावी राज्यों में भी पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। क्योंकि इनमें से कुछ एक चुनावी राज्यों में भी पार्टी के अंदर से ही आवाजें उठ रही हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भाजपा में जहां सबसे अधिक अंतरकलह मची हुई है और पार्टी के अंदर उठापटक देखने को मिल रही है, वो है देश का सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाला राज्य उत्तर प्रदेश। दरअसल, आम चुनावों में बीजेपी को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में ही लगा है। यूपी की 80 में से 70 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा सिर्फ 33 सीटों पर सिमट कर रह गई। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को मिली हार के बाद से अब पार्टी के अंदर लगातार उथल-पुथल मची हुई है। प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को लेकर पार्टी के अंदर से ही लोग एक-दूसरे पर उंगली उठा रहे हैं और एक-दूसरे को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। सबसे ज्यादा जंग छिड़ी हुई है प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच। दोनों के बीच लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही तलवारें खिची हुई हैं। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर लगातार इशारों-इशारों में निशाना भी साधा जाता रहा। इस बीच दोनों नेताओं द्वारा दिल्ली के चक्कर भी खूब लगाए गए और प्रदेश में भी दोनों ने सरकार के मंत्रियों व पार्टी नेताओं से लगातार मुलाकातें कीं। पार्टी हाईकमान के लाख समझाने के बाद भी केशव और सीएम योगी एक साथ तो नजर आए, लेकिन अभी भी दोनों के बीच तलवारें खिंची हुई हैं।

आमने-सामने बने हुए हैं योगी-केशव

केशव मौर्य उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ प्रदेश में ओबीसी वर्ग का एक बड़ा चेहरा भी माने जाते हैं। ऐसे में उनका लगातार सरकार पर सवाल उठाना और सीएम के साथ मतभेद होना पार्टी के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। क्योंकि इस कलह के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, जो भाजपा को नुकसान पहुंचाएंगे। केशव लगातार ये कह रहे हैं कि संगठन सरकार से बड़ा है। वह लखनऊ में अपने 'कैंप कार्यालय' में विधायकों और प्रमुख नेताओं को बुला रहे हैं, जिनमें भाजपा के ओबीसी सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओम प्रकाश राजभर भी शामिल हैं। वहीं सीएम योगी के खेमे के कुछ लोगों का दावा है कि यह मौर्य द्वारा जानबूझकर उठाया गया कदम है, क्योंकि सीएम को अपने डिप्टी के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। सीएम के समर्थकों को यह भी भरोसा है कि जहां केशव मौर्य के पास ओबीसी नेता के रूप में अपना समर्थन आधार है, वहीं आदित्यनाथ अभी भी यूपी में भाजपा का सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं और उन्हें दरकिनार करने से पार्टी को नुकसान हो सकता है। भाजपा को इस कलह से नुकसान तो हो ही रहा है। वहीं कहा ये भी जा रहा कि शीर्ष नेतृत्व की गुजरात लॉबी यानी पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह भी योगी को हटाना चाहते हैं। लेकिन योगी की लोकप्रियता इसमें सबसे बड़ी बाधा बन रही है। साथ ही सीएम हटाने का बीजेपी का फंडा भी यूपी में सफल नहीं रहा है। 1999 में कल्याण सिंह के जाने के बाद बीजेपी को यूपी में सत्ता में वापस आने में कई साल लग गए। यही कारण है कि योगी को लेकर कोई कदम उठाने से पहले पार्टी झिझक रही है।

समय रहते निकालना होगा हल!

यूपी में जिस तरह से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच कोल्ड वार लगातार जारी है। ऊपर से अब जिस तरह से पार्टी व सरकार के विधायक भी अपनी ही सरकार के विधेयक पर सवाल उठा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव लगातार सीएम योगी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं जिस पर कुछ वरिष्ठ नेताओं ने चेतावनी दी है कि सीएम के अधिकार को कम करना यूपी में भाजपा के लिए अच्छा संकेत नहीं है, इससे अन्य राज्यों में भी ऐसी अनुशासनहीनता देखने को मिल सकती है। अब डर इस बात का भी है कि यह अंदरूनी कलह चुनावी राज्यों में भी पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए आने वाले महीनों में चुनाव होने हैं। ऐसे में पार्टी के लिए इन चुनावों पर बहुत कुछ निर्भर करता है क्योंकि लोकसभा चुनावों में भाजपा के बहुमत तक पहुंचने में विफल रहने के बाद ये पहले चुनाव होंगे। पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई में असंतोष की सुगबुगाहट भाजपा द्वारा नए शामिल किए गए लोगों को चुनाव टिकट देने पर असंतोष के साथ उठी। जिनमें से कई हार गए। अब पार्टी कैडर के बीच असंतोष को देखना होगा खास तौर पर जिन्हें यह लगता है कि नए लोगों के आने के बाद उनकी उपेक्षा की गई है, उन्हें समझाना होगा।

भाजपा विधायकों ने ही किया योगी के बिल का विरोध

इस बीच पार्टी के अंदर मची खींचतान का फायदा यूपी सरकार के मंत्रियों व सहयोगियों ने भी उठाया। सरकार के सहयोगी दलों ने भी प्रदेश की योगी सरकार और सीएम पर सवाल उठाए और अपनी मांगे कीं। लेकिन इस बीच सबसे चौंकाने वाली बात तब हुई जब उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अपनी सरकार के ही एक विधेयक का विरोध भाजपा विधायकों ने कर दिया। बीजेपी के कई विधायकों ने योगी सरकार द्वारा लाए गए नजूल संपत्ति विधेयक का विधानसभा में ही खुला विरोध कर दिया। जिसके बाद संभवतः योगी सरकार का ये विधेयक अब ठंडे बस्ते में चला गया है। दरअसल, प्रयागराज से भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने नजूल लैंड को निजी फ्रीहोल्ड में बदलने से रोकने वाले अपनी सरकार के विधेयक के खिलाफ आवाज उठा दी। अपने ही दल के विधायक की आपत्तियों से सत्ता पक्ष हैरान हो गया। वहीं बीजेपी विधायक ने विधानसभा में बोलते हुए कहा कि अगर सरकार एक या दो संपत्तियां लेती है तो कुछ भी नहीं बदलेगा। लेकिन मैं उनकी बात कर रहा हूं जो झुग्गी-झोपड़ियों में एक या दो कमरों में रहते हैं। प्रयागराज में इन्हें 'सागर पेशा' कहा जाता है। हर्षवर्धन ने आगे कहा कि ये परिवार ब्रिटिश शासन के समय से वहां रह रहे हैं। 100 साल से भी पहले से। एक तरफ हम गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत घर दे रहे हैं और दूसरी तरफ हम हजारों परिवारों को बाहर निकलने के लिए कह रहे हैं। हम जमीन ले रहे हैं। ये न्यायसंगत नहीं है। विधायक ने कहा कि हमारा शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि लोगों की संपत्ति का अधिकार स्पष्ट हो। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कई बार संपत्ति अधिकारों और बौद्धिक संपदा अधिकारों में स्पष्टता लाने के लिए एक कानून लाने की बात कही है। हर्षवर्धन बाजपेयी ने आखिर में कहा कि कानून में एक प्रावधान होना चाहिए कि जिनके पास नजूल भूमि है और जहां गरीब रहते हैं। उन्हें इन जमीनों को फ्रीहोल्ड में परिवर्तित करने का मौका मिलना चाहिए। हर्षवर्धन के अलावा भी बीजेपी के कुछ विधायकों ने अपनी ही सरकार के इस विधेयक का विरोध किया और इस पर आपत्ति जताई।

चुनावी राज्यों में भी दिखने लगा असर

जिस तरह से उत्तर प्रदेश में पार्टी और सरकार के अंदर अंदरूनी कलह उठी हुई है और भाजपा के विधायक ही सरकार के विधेयक का विरोध कर रहे हैं और सहयोगी भी सरकार पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। उससे प्रदेश में भाजपा की हालत तो खराब हो ही रही है। ऊपर से जिस तरह से सीएम योगी और डिप्टी सीएम केशव मौर्य का विवाद लगातार सुर्खियां बटोर रहा है और मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। उससे अब ये तो साफ ही है कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के अंदर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के अंदर भी लगातार उठापटक मची हुई है। ऐसे में अब सवाल ये ही कि यूपी की इस कलह का असर भाजपा को अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रहा है। अब डर ये ही है कि कहीं इसका खामियाजा अन्य राज्यों में भी न उठाना पड़ जाए। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश भाजपा में सुगबुगाहट देखी जा रही है, दूसरी ओर पार्टी लंबे समय से राजस्थान, कर्नाटक और चुनाव वाले महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे राज्यों में अंदरूनी कलह से जूझ रही है जो भड़क सकती है। कहीं न कहीं इसकी शुरूआत भी हो गई है क्योंकि हरियाणा में भाजपा के अंदर लगातार अंदरूनी कलह जारी है। तो वहीं महाराष्ट्र में भी एनसीपी अजित पवार को लेकर महायुति गठबंधन और बीजेपी में द्वंद मचा हुआ है। संघ और भाजपा का एक बड़ा गुट अजित पवार को एनडीए में शामिल करने के खिलाफ है। जबकि कर्नाटक में भी सहयोगी जेडीएस ने प्रदेश की सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ भाजपा की पदयात्रा का बहिष्कार कर दिया है। साथ ही एचडी कुमारस्वामी ने बीजेपी पर जेडीएस का अपमान करने के भी आरोप लगाए हैं। ऐसे में अब भाजपा आलाकमान को डर इस बात का है कि कहीं यूपी की ये लड़ाई उसे अन्य राज्यों में भी न नुकसान पहुंचा दे। इसका खामियाजा उसे आगामी चुनावी राज्यों में भी न उठाना पड़ जाए। फिलहाल देखते हैं अब बीजेपी इस द्वंद को कैसे शांत करती है। और अन्य राज्यों में भी भाजपा पार्टी के अंदर ही मची कलह की सुगबुगाहट को किस तरह से दबाती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विपक्ष ने कायम रखी भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती...

लोकतंत्र की ही ताकत है कि कल तक जो सत्ताधीश विपक्ष को दबाने का और उसका मुंह बंद करने का प्रयास कर रहे थे, आज वो विपक्ष को तरजीह दे रहे हैं और उनका अहंकार अब चकनाचूर हो चुका है। बेशक सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा ने पिछले 10 सालों में विपक्ष को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन इतिहास रहा है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता ही जनार्दन है और ये जनता किसी की भी तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करती है।

भारत को दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र कहा जाता है। बेशक पिछले कुछ वक्त में यहां के सत्ताधीशों ने इस मजबूत लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया है। हालांकि, ये मजबूत लोकतंत्र की ही ताकत है कि जिन्होंने देश के लोकतंत्र को कमजोर करने और उस पर आघात करने का प्रयास किया, जनता ने उन्हें ही कमजोर कर दिया और काबू में लाने का काम कर दिया। लोकतंत्र की ही ताकत है कि कल तक जो सत्ताधीश विपक्ष को दबाने का और उसका मुंह बंद करने का प्रयास कर रहे थे, आज वो विपक्ष को तरजीह दे रहे हैं और उनका अहंकार अब चकनाचूर हो चुका है। बेशक सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा ने पिछले 10 सालों में विपक्ष को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन इतिहास रहा है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता ही जनार्दन है और ये जनता किसी की भी तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करती है। इस चुनाव में भी यही हुआ है। नतीजतन अब तक कमजोर पड़ा विपक्ष अब काफी हद तक पावर में आ गया है और भाजपा की तानाशाही पर भी अंकुश लग गया।

विपक्ष को मजबूत हुए अभी दो महीने का भी समय पूरा नहीं हुआ है, लेकिन विपक्ष ने भाजपा को ये दिखा दिया कि विपक्ष की ताकत क्या होती है। साथ ही ये भी बता दिया कि कैसे भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र को जिंदा रखा जाता है। दरअसल, बांग्लादेश में इस समय तख्तापलट हुआ है और पूरा देश राजनीतिक संकट की आग में झुलस रहा है। इस बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना देश छोड़कर भारत आकर शरण ली। पड़ोसी मुल्क होने के नाते भारत लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शेख हसीना के भारत आने के बाद भारत की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई। इस बीच आज जब सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाई गई और पूरे मामले की जानकारी आधिकारिक रूप से दी गई, तब विपक्ष ने एक मजबूत लोकतंत्र की मिसाल देते हुए बांग्लादेश मामले में सरकार का समर्थन करने की बात कही। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत पूरे विपक्ष ने इस मामले पर सरकार के स्टैंड पर सहमति जताई। आपस में तमाम मतभेदों के बाद देश की सुरक्षा और देशहित के मामले में विपक्ष ने सरकार के साथ खड़े होकर और सरकार का समर्थन करके भारत के मजबूत लोकतंत्र की मिसाल पेश की और भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती को बनाए रखा। विपक्ष का ये कदम वाकई में स्वागतयोग्य है। देश से जुड़े मामलों पर राजनीति नहीं ही होनी चाहिए और उसमें आपसी मतभेद व पक्ष-विपक्ष की भूमिका भुलाकर भारतीय बनकर देश के लिए खड़े हो जाना चाहिए। विपक्ष ने ये करके दिखाया है। हालांकि, इस बीच सोचने वाली बात ये है कि अगर ऐसी स्थिति में भाजपा व मोदी विपक्ष में होते तो क्या करते? क्या बीजेपी सरकार के साथ खड़ी होती या फिर अपनी ही सरकार पर उंगली उठाती? सोचिए...

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीएम फसलों की मंजूरी को बने राष्ट्रीय नीति

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने जेनेटेकली मोडिफाइड यानी जीएम सरसों की भारत में व्यावसायिक खेती करने की सरकारी मंजूरी के खिलाफ याचिका पर खंडित फैसला दिया। जहां न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना का आकलन था कि जीईएसी की 18 और 25 अक्टूबर, 2022 को सम्पन्न जिस बैठक में इसकी मंजूरी दी गई, वह दोषपूर्ण थी क्योंकि उसमें स्वास्थ्य विभाग का कोई सदस्य नहीं था और कुल आठ सदस्य अनुपस्थित थे। दूसरी ओर, न्यायमूर्ति संजय करोल का मानना था कि जीईएसी के फैसले में कुछ गलत नहीं है। उन्होंने जीएम सरसों फसल को सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए पर्यावरण में छोड़ने की बात जरूर की। हालांकि, दोनों न्यायाधीश इस बात पर एकमत थे कि केंद्र सरकार को जीएम फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करनी चाहिए। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष जाएगा।

वैसे जीईएसी आनुवंशिक रूप से संवर्धित फसलों के लिए देश की नियामक संस्था है। लेकिन दो जजों की पीठ ने निर्देश दिया कि चार माह के भीतर केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय जीएम फसल के सभी पक्षों के परामर्श से जीएम फसलों पर राष्ट्रीय नीति तैयार करे जिनमें कृषि विशेषज्ञों, जैव प्रौद्योगिकीविदों, राज्य सरकारों और किसान प्रतिनिधियों सहित हितधारक शामिल हों। किसी से छुपा नहीं कि भारत में खाद्य तेल की जबरदस्त मांग है। साल 2021-22 में 116.5 लाख टन खाद्य तेलों का उत्पादन करने के बावजूद भारत को 141.93 लाख टन का आयात करना पड़ा। अनुमान है, अगले साल 2025 -26 में यह मांग 34 मिलियन टन तक पहुंच जाएगी। हमारे खाद्य तेल के बाजार में सरसों तेल की भागीदारी 40 फीसदी है। दावा किया गया कि यदि सरसों उत्पादन में जीएम बीज का इस्तेमाल करेंगे तो फसल 27 प्रतिशत अधिक होगी, जिससे तेल आयात खर्च कम होगा। हालांकि यह सोचने की बात है कि 1995 तक देश में खाद्य तेल की कमी नहीं थी। फिर बड़ी कंपनियां इस बाजार में आई। आयात कर कम किया गया और तेल का स्थानीय बाजार बैठ गया।

दावा यह भी है कि इस तरह के बीज से पारंपरिक किस्मों की तुलना में कम पानी, उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता होती है और मुनाफा अधिक। लेकिन जीएम फसलों,

खासकर कपास को लेकर हमारे अनुभव बताते हैं कि ऐसे बीजों के दूरगामी परिणाम खेती और पर्यावरण के लिए भयावह हैं। समझना होगा कि जीएम फसलों को उत्पाद के मूल जीन को कृत्रिम रूप से संशोधित किया जाता है। आमतौर पर किसी अन्य जीव से आनुवंशिक सामग्री डाली जाती है जिससे उन्हें नए गुण दिए जा सकें जैसे अधिक उपज व पोषक तत्व, कम खरपतवार, कम रोग, कम पानी हो सकते हैं। भारत में धारा सरसों हाइब्रिड-11 को देशी सरसों किस्म 'वरुणा' और यूरोपीय किस्म 'अर्ली हीरा-2' के संकरण से विकसित किया गया है। इसमें दो विदेशी जीन 'बार्नेज' और 'बार्स्टार' शामिल हैं, जिन्हें बैसिलस एमाइलोलिके फैसिएन्स नामक मृदा जीवाणु से पृथक किया गया है। दावा है कि इस बीज से उपज को 3-3.5 टन प्रति हेक्टेयर तक बढ़ाया जा सकता है। हमारे देश में अभी तक कानूनी रूप से केवल बीटी कपास एकमात्र जीएम स्वीकृत फसल है। बीते 17 सालों में कपास के बीज दावों पर खरे उतरे नहीं। बीटी बीज देशी बीज की तुलना में बहुत महंगा है और इसमें कीटनाशक का इस्तेमाल करना ही पड़ा। फसल ज्यादा नहीं, लेकिन हर साल बीज खरीदना मजबूरी हो गई। विकसित देशों में भी ऐसे बीजों से उर्वर क्षमता व पौष्टिक तत्व कम हुए हैं। बीटी कॉटन बीज बनाने वाली कंपनी मोनसेंटो ने 1996 में अपने देश अमेरिका में बोलगार्ड बीजों का इस्तेमाल शुरू करवाया था। इसके नतीजे निराशाजनक रहे। दुनियाभर में कहीं भी बीटी फसल को खाद्य पदार्थ के रूप में मंजूरी नहीं मिली है। अमेरिका में मक्का और सोयाबीन के बीटी बीज कुछ खेतों में बोए जाते हैं, लेकिन इस उत्पाद को इंसान के खाने के रूप में इस्तेमाल पर पाबंदी है।

यूरोप में भी इस पर सख्त पाबंदी है। ऐसे में भारत में सरसों तेल के लिए बीटी पर मंजूरी शक पैदा करती है। जीएम बीजों से उत्पन्न सरसों के फूल मधुमक्खियों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। इस तरह के बीजों से उत्पन्न सरसों के फूलों में मधुमक्खियों को परागण तो मिलेगा नहीं, उलटे कुछ जानलेवा कीटों की वे शिकार हो जाएंगी। इससे उनके खत्म होने की आशंका है। वहीं जीएम बीज हमारे पारंपरिक बीजों के अस्तित्व के लिए खतरा है और अब बदले हुए नाम से इन्हें बैंगन-टमाटर आदि के लिए पिछले रास्ते से घुसाया जा रहा है। बता दें कि केंद्र सरकार कोई दो साल पहले जीनोम एडिटेड टेक्नोलॉजी का उपयोग कर नई फसल प्रजातियां विकसित करने के शोध को मंजूरी दे चुकी है।

सुक्खू के साहसिक फैसलों में सियासी दूरदृष्टि

ज्योति मल्होत्रा

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अवश्य ही हिंदी अंचलों के रूपक 'राजा-रंक' से बहुत अच्छी तरह वाफिक होंगे, यह द्योतक है उस बड़े अंतर का, जो मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वालों और उन मां-बाप के औलादों के बीच है जिन्हें दो जून की रोटी जुटाने के लिए दिन-रात कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। इस साल मार्च महीने में शिमला की सीली सर्दी में -सार्वजनिक स्थानों पर और बंद कमरों में- राजनीतिक कानाफूसी जमकर चली होगी, विद्रोही और वफादार खेमों में एक जैसे संकेत देते हुए, जब कांग्रेस के अपने विधायक विक्रमादित्य सिंह ने मुख्यमंत्री सुक्खू के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया और राज्य सरकार को लगभग तोड़ ही डाला था।

कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के दक्षिण भारतीय चतुर नेताओं के साहसिक प्रयासों से जमे घी को आग पकड़ने से पहले अलग किया जा सका। क्योंकि हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे और रामपुर बुशहर के पूर्व राजा वीरभद्र सिंह के पुत्र पहले तो इस इंतजार में रहे कि शायद कांग्रेस हाईकमान बगावत में उनका साथ देगा और सामान्य वर्ग से आते मुख्यमंत्री की जगह गद्दी उन्हें मिल जाएगी। लेकिन सुक्खू भी अपना मास्टर कार्ड खेल गए। हिमाचल पथ परिवहन निगम के पूर्व कंडक्टर के बेटे सुक्खू ने दिखा दिया कि वे पार्टी में सबसे निचले स्तर से उठकर यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा किया, ठीक वैसे ही जैसे कि हाई कमान के गांधी परिवार के लोग करने पर जोर देते हैं। वे भाजपा के दिए लालचों में कभी नहीं फंसे। अंत में विक्रमादित्य सिंह डगमगाए तो लेकिन छह अन्य साथी कांग्रेसी एवं तीन आजाद विद्रोही विधायकों की तरह पार्टी नहीं छोड़ी, इन छह बागी कांग्रेसी विधायकों में चार उपचुनाव में हार गए। देखा जाये तो अब अवश्य ही वे विधायक किस्मत के फेर को कोस रहे होंगे।

इतना ही नहीं, विक्रमादित्य सिंह मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की कंगना रनौत से भी हार गए- जो कि सुक्खू का अन्य मास्टर कार्ड रहा, जब उन्होंने अपने इस युवा और कुलीन साथी को उत्साहित करते हुए, आसमान छूने के लिए, चुनावी रण में उतार दिया। मार्च महीने के विद्रोह के बाद खाली हुई सीटों में एक पर अपनी पत्नी कमलेश ठाकुर को जितवा कर सुक्खू ने अपनी स्थिति आगे और मजबूत कर ली है। लेकिन यह राजनेता दूसरों के जैसा नहीं जो अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर बैठ जाए। जहां पड़ोसी राज्य पंजाब से अनेक मुफ्त की रेवड़ियों की वजह से अपनी राजकोषीय स्थिति संभाले नहीं संभल रही, विशेषकर दशकों से दी जा रही मुफ्त की बिजली के चलते, वहीं हिमाचल के सुक्खू 2022 में हर परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने के अपने चुनावी वादे से पीछे हट गए हैं। हाल ही उन्होंने संपन्न वर्ग के लिए बिजली सब्सिडी खत्म करने की घोषणा की है। नए बिजली सुधार में कुछ शर्तें हैं, यह केवल उन पर लागू होगा जो आयकर चुकाने वाली श्रेणी में हैं, बाकियों के लिए भी मुफ्त की बिजली 300 से घटाकर 125 यूनिट कर दी गई है- पिछली भाजपा सरकार ने भी ठीक यही चुनावी वादा किया था। बिजली सब्सिडी केवल 'एक परिवार-एक मीटर' के आधार पर ही मिलेगी।

यह पंजाब की तरह नहीं, जहां अमीरों ने मुफ्त बिजली की ऊपरी सीमा 300 यूनिट के भीतर बनाए रखने को एक ही घर में कई-कई मीटर लगवा लिए और संबंधित अधिकारी इस मामले में खुद को असहाय बताते हैं। अब हिमाचल में सभी बिजली कनेक्शन आधार कार्ड या राशन कार्ड से जुड़े होने जरूरी हैं। जिन्होंने नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लिए बगैर मीटर लगा रखे हैं उन्हें पूरा भुगतान करना पड़ेगा। सुक्खू का यह कदम वह ध्यान नहीं खींच पाया जिसके वह हकदार हैं, लेकिन वे पूरी तरह इसके काबिल हैं। देशभर में बिजली जैसे लोकलुभावन विषय में सुधारक उपाय करने पर राजनेता विशेष रूप से कतराते हैं- लेकिन हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच तुलनात्मक अंतर विशेष रूप में काफी अधिक है। हिमाचल की कुल 77 लाख जनसंख्या पंजाब की 3.17 करोड़ के सामने बहुत कम है, अधिकांश इलाका भी उपजाऊ मैदानी न होकर पहाड़ी है, साथ ही भरपूर पानी और मुफ्त की बिजली डकारने वाली गेहूं-चावल जैसी फसलें उगाने पर निर्भरता भी बहुत कम है। सुक्खू चतुर हैं। अपने सूबे को लेकर उनकी महत्वाकांक्षा स्पष्ट दिखाई देती है- उन्हें मालूम है यदि हिमाचल बढ़िया कर दिखाएगा तो यह उनके खुद के लिए भी अच्छा होगा।

अपनी आस्तीन और बाहर पल रहे सांपों का फन कुचलकर उन्होंने अपनी स्थिति सफलतापूर्वक मजबूत कर ली है। बीती फरवरी में राज्यसभा के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ वोट डालने वालों को 'काला नाग' कहा गया गया था। इस उपलब्धि ने उन्हें लोगों की जेब से पैसा निकलवाने वाले अति-संवेदनशील विषय को छूकर राजनीतिक जोखिम उठाने के काबिल बनाया है। सोशल मीडिया के इस युग में, जहां तारीफ हाथों-हाथ मिल जाती हैं, यह कृत्य काफी श्रेयस्कर है। केवल दक्षिण भारत के कुछ अमीर राज्य जैसे कि केरल और तमिलनाडु, इस विषय को छू पाएं हैं, वह भी काफी घबराहट के बाद। सुक्खू ने स्पष्ट रूप से उनका अनुसरण किया है। केरल ने नवम्बर, 2023 में मुफ्त बिजली को सीमित करते हुए केवल 30 यूनिट कर दिया था। तमिलनाडु में सिर्फ 100 यूनिटें मुफ्त हैं। सुक्खू ने कहा कि राज्य के सिर पर बहुत भारी कर्ज है, कुल ऋण 85000 करोड़ रुपये पार कर चुका है, केवल 2023-24 में ही राज्य बिजली बोर्ड का घाटा 1800 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य सरकार ने 950 करोड़ रुपये बतौर सहायता राशि भी दिये हैं।

कब्ज की समस्या से राहत देंगे ये योगासन

सही से पेट साफ न होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे आहार में फाइबर की कमी, पानी की कमी होना, जिससे पाचन तंत्र सही से काम नहीं करता और पेट साफ नहीं हो पाता। असंतुलित आहार, शारीरिक सक्रियता की कमी, तनाव व चिंता, पाचन तंत्र संबंधित समस्याएं पेट साफ न होने के सामान्य कारण हो सकते हैं। वहीं अगर आप का सही से पेट साफ नहीं हो पा रहा है, तो कब्ज, पेट में दर्द, सूजन, त्वचा की समस्याएं, उच्च रक्तचाप, मूड स्विंग्स, कमजोरी और थकान जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इस समस्याओं से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीएं, व्यायाम करें और कुछ योगासनों का नियमित अभ्यास जीवनशैली में शामिल करें।

वज्रासन

खाना खाने के बाद गैस-एसिडिटी होना आम समस्या है, जो कि कमजोर डायजेशन का लक्षण है, जबकि वज्रासन आपको पाचन तंत्र को बढ़िया करता है। वज्रासन के अभ्यास से पाचन शक्ति मजबूत हो जाती है। जिससे आप पेट से जुड़ी समस्याओं से बच सकते हैं। इसके लिए घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठें। यह आसन भोजन के बाद किया जा सकता है और यह पाचन को बेहतर बनाने में सहायक होता है। वज्रासन की मदद से उन लोगों को फायदा मिलता है जिनका भोजन नहीं पचता है जिसके कारण कब्ज की समस्या बनी रहती है। ऐसे लोगों को बस 10 से 20 मिनट तक वज्रासन की स्थिति में बैठे रहना है। ऊपर बताए गए सभी योग के मुकाबले वज्रासन सबसे सरल योग है जिसके अनन्य लाभ हैं।

पवनमुक्तासन

जैसा नाम से ही पता चलता है, यह आसन शरीर से गैस को बाहर निकालने में मदद करता है। कब्ज के साथ-साथ, यह योगासन अपच/ मन्दाग्नि सहित कई पाचन संबंधी विकार को भी दूर करने में मदद कर सकता है। यह अम्लपित्त जिसे एसिड रिफ्लक्स भी कहते हैं, से राहत दिलाने में भी मदद करता है, जो की अपच के कारण ही होता है। इस आसन में पीठ के बल लेट कर एक पैर को मोड़कर छाती के पास लाएं और हाथों से पकड़ लें। दूसरे पैर से भी यही प्रक्रिया दोहराएं। इसे नियमित रूप से करने से गैस और कब्ज की समस्या कम हो सकती है। इस आसन को करने से पेट के अंग जैसे के स्वादुपिंड, आमाशय और यकृत इत्यादि अंग सक्रीय होते हैं। महिलाओं में मासिक कम आना या मासिक के समय पेट दर्द की समस्या के लिए लाभकारी हैं। पेट की बड़ी हुई चर्बी और मोटापे को कम करता हैं।

त्रिकोणासन

इस आसन से पाचन प्रणाली ठीक होती हैं। गर्दन, पीठ, कमर और पैर के स्नायु मजबूत होते हैं। शरीर का संतुलन ठीक होता हैं। इसे करने के लिए सीधे खड़े होकर पैर को फैलाएं और दोनों हाथों को फैलाकर एक हाथ से पैर को छुएं। यह आसन पेट के अंगों को स्ट्रेच करता है और पाचन को सुधारता है।

सुप्त बद्धकोणासन

सुप्त बद्धकोणासन की मदद से कब्ज को दूर करना बहुत आसान है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि, इस बात को एनसीबीआई ने प्रमाणित किया है। एनसीबीआई के अनुसार, इस योगासन की मदद से इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम कम हो जाता है जिससे कब्ज की समस्या का भी अंत हो जाता है। आइये जानते हैं कब्ज दूर करने के लिए आपको सुप्त बद्धकोणासन किस तरह से करना चाहिए।

भुजंगासन

लीवर और किडनी हमारे शरीर के पाचन क्रिया को सही तरीके से कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, ऐसे में लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भुजंगासन अहम भूमिका निभा सकते हैं। भुजंगासन शरीर में रक्त संचार को बढ़ाकर कई अंगों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है, जिनमें किडनी और लिवर भी शामिल हैं इस आधार पर भुजंगासन को किडनी और लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी प्रभावी माना जा सकता है। इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेटकर, हाथों को कंधों के पास रखें और धीरे-धीरे शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं।

हंसना मना है

अस्पताल में नर्स की आंखों में आंखे डालकर रोमांटिक अंदाज में सोनू बोला- आई लव यू, तुमने मेरा दिल चुरा लिया है। नर्स शर्माकर बोली- चल झूठे दिल को तो हाथ भी नहीं लगाया है, हमने तो सिर्फ किडनी चुराई है। सोनू बेहोश।

12 साल बाद जेल से छूटा पति मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई-कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

रमेश (नौकर से)- जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर- बाहर तो अंधेरा है। संता- अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

एक बार एक अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां कोई गोरा, कोई काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं तथा घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।'

कहानी | छोटे प्रयासों से बहुत कुछ मिल जायेगा

एक आदमी समुद्रतट पर चल रहा था। उसने देखा कि कुछ दूरी पर एक युवक ने रेत पर झुककर कुछ उठाया और आहिस्ता से उसे पानी में फेंक दिया। उसके नज़दीक पहुंचने पर आदमी ने पूछा- और भाई, क्या कर रहे हो? युवक ने जवाब दिया, मैं इन मछलियों को समुद्र में फेंक रहा हूं। लेकिन इन्हें पानी में फेंकने की क्या ज़रूरत है? युवक ने कहा, ज्वार का पानी उतर रहा है और सूरज की गर्मी बढ़ रही है। आदमी ने देखा कि समुद्रतट पर दूर-दूर तक मछलियां बिखरी पड़ी थीं। वह बोला, इस मीलों लंबे समुद्रतट पर न जाने कितनी मछलियां पड़ी हुई हैं। इसतरह कुछेक को पानी में वापस डाल देने से तुम्हें क्या मिल जाएगा? युवक ने फ़िर से रेत पर झुककर एक और मछली उठाई और उसे आहिस्ता से पानी में फेंककर बोला, आपको और हमें इससे कुछ मिले न मिले। लेकिन इस मछली को सब कुछ मिल जाएगा। यह केवल सोच का ही फर्क है। सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को लगता है कि उसके छोटे छोटे प्रयासों से किसी को बहुत कुछ मिल जायेगा लेकिन नकारात्मक सोच के व्यक्ति को यही लगेगा कि यह समय की बर्बादी है? यह हम पर है कि हम कौनसी कहावत पसंद करते है... अकेला चना भांड नहीं फोड़ सकता। या बूंद बूंद से ही घड़ा भरता है। हम सब आदर्शवादी और अच्छे कार्य करने की बातें करते रहते है। जैसे बिजली बचाना, सड़क पर कचरा न फेंकना, किसी जरूरतमंद की मदद करना और बहुत कुछ। लेकिन हममें से ज्यादात्तर लोग ऐसी बातों का पालन नहीं करते। सबसे ज्यादा खाना हम पढ़े लिखे लोग ही वैस्ट करते है जबकि दूसरी और भारत में रोजाना, लाखों लोग भूखे सोते है। ऐसे पढ़े लिखे लोग भी आसानी से मिल जायेंगे जिनके पास इतना भी टाइम नहीं कि वे सड़क पर पड़े हुए घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

बॉलीवुड | मन की बात

कोई एक्टर खराब तो कोई ओवर कॉन्फिडेंट: सुभाष घई

सुभाष घई ने अपने 55 साल के करियर में बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों से कई नए फेस को इंडस्ट्री में लॉन्च किया है। यही वजह है कि सुभाष न्यूकमर्स के बीच में काफी फेमस हैं। सुभाष घई हाल ही में अरबाज खान के शो के सीजन 2 नजर आए थे जहां उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा और जैकी श्रॉफ के बारे में बात की थी। सुभाष घई ने इंटरव्यू में कहा, एक्टर पांच किस्म के होते हैं सर। एक होते हैं नॉन एक्टर और एक होते हैं बैड एक्टर्स। बुरे एक्टर जैकी श्रॉफ थे। एक्टर अनिल कपूर हैं और जो ओवर कॉन्फिडेंट एक्टर थे वो शत्रुघ्न सिन्हा थे। शत्रुघ्न सिन्हा की सबसे बड़ी प्रॉब्लम ये थी कि वो कभी टाइम पर नहीं आते थे। शत्रुघ्न सिन्हा और सुभाष घई ने साथ में दो फिल्मों में काम किया। जिसमें एर विश्वनाथ और दूसरी गौतम गोविंदा थी। सुभाष घई ने शाहरुख खान के साथ रिश्तों पर भी बात की। शाहरुख के साथ हुई अनबन पर निर्देशक ने कहा, जैसे मैंने परदेस में शाहरुख खान के साथ काम किया था उसके और मेरे बीच मनमुटाव होता रहता था, तू-तू-मैं-मैं चलती रहती थी। बता दें इसके बाद ही सुभाष घई ने बड़े स्टार्स के साथ काम ना करने का फैसला ले लिया था। फिर उन्होंने सोचा कि कर्ज के वो किसी भी करंट फेमस स्टार के साथ फिल्म नहीं बनाएंगे अगर फिल्म असली बनानी है। सुभाष घई ने जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर के साथ साल 1989 की फिल्म राम लखन में काम किया था। दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के साथ उन्होंने कालीचरण (1976) और विश्वनाथ (1978) जैसी फिल्मों में काम किया था।

सन ऑफ सरदार 2 से बाहर हुए संजू

संजय दत्त और अजय देवगन एक जोड़ी एक बार फिर से परदे पर दिखने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा। दोनों सन ऑफ सरदार 2 में नजर आने वाले थे, जो साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार का सीक्वल है। इसकी वजह यह है कि संजय दत्त इस फिल्म से बाहर हो गए हैं।

संजय दत्त के फिल्म से बाहर होने की वजह यह है कि उन्हें यूके का वीजा नहीं मिल पाया है और उन्हें फिल्म की शूटिंग के लिए वहां जाना था। मिड-डे में छपी एक रिपोर्ट बताती है कि अब अभिनेता और बीजेपी सांसद रवि किशन को संजय दत्त की जगह कास्ट कर लिया गया है।

संजय दत्त ने सन ऑफ सरदार में बिल्लू का किरदार निभाया था और अजय देवगन, जस्सी रंधावा के रोल में नजर आए थे। दर्शकों को संजय के फिल्म से बाहर होने के चलते, दोनों को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए किसी दूसरी फिल्म का इंतजार करना होगा। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी अभिनय कर रही हैं और इसे फिलहाल स्कॉटलैंड में फिल्माया जा रहा है।

साल 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद, जब संजय दत्त को आर्म्स एक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था तो उन्हें पांच साल की सजा मिली थी, जिसे उन्होंने 2016 में पूरा किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी गिरफ्तारी के बाद से संजय दत्त आज तक यूके नहीं जा पाए हैं। वो वीजा के लिए कई बार आवेदन कर चुके हैं, लेकिन कभी बात नहीं बनी।

सन ऑफ सरदार एक कॉमेडी एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन अश्वनी धिर ने किया था। इसमें अजय देवगन और संजय दत्त के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मुकुल देव, विंदु दारा सिंह, अर्जन बाजवा, तनुजा और संजय मिश्रा समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया था। फिल्म के गाने पो पो में सलमान खान भी थिरकते नजर आए थे।

करीना कपूर जिसे मानती थीं भाई उसी के साथ दिये इंटीमेट सीन्स

बॉलीवुड | मसाला

करीना कपूर का सबसे पुराने फिल्मी घराने से ताल्लुक रखती हैं। बचपन से ही वह एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनके माता-पिता से लेकर दादा, चाचा सभी बॉलीवुड के सुपरस्टार रहे हैं। हालांकि एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म में उनके को-एक्टर रहे अभिषेक बच्चन उनसे नाराज हो गए थे एक्टर ने कहा था कि वे करीना को कभी माफ नहीं करेंगे।

अभिषेक बच्चन को माना था भाई

दरअसल अभिषेक बच्चन को करीना भाई मानती थीं। करीना और अभिषेक दोनों ने अपना डेब्यू जेपी दत्ता की साल 2000 में रिलीज हुई 'रिफ्यूजी' से किया था। रिफ्यूजी में करीना कपूर और अभिषेक बच्चन के बीच इंटीमेट सीन फिल्माए गए थे। हालांकि इस सीन की वजह से अभिषेक बच्चन करीना से काफी नाराज भी हो गए थे। इसे लेकर एक इंटरव्यू में उन्होंने करीना को लेकर बड़ी बात कह दी थी।

दरअसल फिल्म में करीना और अभिषेक के बीच कई बोल्ड सीन फिल्माए जाने थे। अभिषेक बच्चन ने एक बार बताया था कि रोमांटिक सीन को लेकर वह काफी एक्साइटेड थे। हालांकि शूटिंग से पहले करीना ने मुझसे कुछ ऐसा कह दिया था कि मेरा सारा मूड ऑफ हो गया था। सिमी गरेवाल के शो में अभिषेक बच्चन ने इस किस्से का जिक्र किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की को-एक्ट्रेस करीना की बहुत तारीफ की थी। लेकिन वह बोले, उस रोमांटिक सीन में मुझे बर्बाद करने के लिए मैं करीना को कभी माफ नहीं करूंगा। क्योंकि मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे पहली बात यह बोल दी थी कि एबी, यह हमारी पहली फिल्म है, एक साथ रोमांटिक सीन, और मुझे तुमसे प्यार कैसे हो सकता है? तुम मेरे भाई जैसे हो।

अजब-गजब | पर्यावरण संरक्षण की ये है पीढ़ियों पुरानी परंपरा

यहां पूजा कर पेड़ पौधों को पहनाते हैं पगड़ी

राजस्थान अपनी खास परम्पराओं और रीति रिवाज के लिए जाना जाता है। बात रहन सहन की हो या पूजा-पाठ की। सबकी यहां अलग परंपरा है। फिर बात चाहें पर्यावरण संरक्षण की हो या जीव संरक्षण की। हर चीज में सबसे पहले राजस्थान का नाम आता है। आजकल वृक्षारोपण और पौधारोपण का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है हर व्यक्ति हरियाली के महत्व को समझते हुए बड़े उत्साह के साथ पौधारोपण कर रहा है, लेकिन राजस्थान में तो ये परंपरा का हिस्सा है।

भीलवाड़ा में हर व्यक्ति के जहन और दिमाग में पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण की बात बैठी हुई है। यहां पर्यावरण संरक्षण बड़े खास और परम्परागत रूप से किया जाता है। भीलवाड़ा के गांवों में पारंपरिक तरीके से पेड़ पौधों की पूजा अर्चना कर उन्हें पगड़ी (सिर का साफा) पहनायी जाती है। यानि पेड़ों की रक्षा का संदेश दिया जाता है। यह परंपरा एक या दो नहीं बल्कि कई गांव में पीढ़ियों से निभाई जा रही है।

भीलवाड़ा के महुआ, मानपुरा अमृतिया, बरूनदनी, बीलेठा, गोगाखेड़ा , आसींद करेड़ा रायपुर, सहाडा गांव में पेड़ पौधों की पूजा कर उन्हें साड़ा पहनाया गया। इससे जिले में हजारों एकड़ की चारागाह सुरक्षित हो रही है। पेड़ पौधे घास से पर्यावरण समृद्ध हो रहा है।

क्या है विधान-इस परंपरा में सबसे पहले पूरा गांव एक मंदिर या फिर देवस्थान पर जमा होता है।

बड़े ठाट बाट से ढोल नगाड़े के साथ भगवान की पूजा अर्चना की जाती है। फिर देवस्थान से पगड़ी लेकर पगड़ी का एक सिरा मंदिर जबकि दूसरा सिरा पूजा वाले स्थान पर पहुंचाया जाता है। इस परंपरा में पूरा गांव शामिल होता है जो पगड़ी को हाथ लगाकर अपनी सहभाग्यता अर्पित करता है। पूजा अर्चना करने के बाद पेड़ पौधे को पगड़ी पहनाई जाती है और हरियाली और खेत खलियान समृद्ध होने की कामना की जाती है। खेतों में हरियाली की कामना ग्रामीणों का कहना है कार्यक्रम में हजारों महिलाएं, बच्चे और सभी वर्ग के लोग जुड़कर चारागाह संरक्षण, जल बचाने एवं हमारे कल को सुरक्षित करने के लिए समाज को जागरूक करते आ रहे हैं। इस साल केंद्र और राज्य सरकार भी पेड़ लगाने का अभियान छेड़े हुए हैं। इस परंपरा के पीछे मुख्य उद्देश्य यही है कि खेतों में हरियाली बनी रहे।

वो दुर्लभ सिक्का, जिसने रातों-रात शख्स को बना दिया करोड़पति

पुराने दुर्लभ सिक्के आपको करोड़पति बना सकते हैं। यह सच बहुत कम लोग जानते हैं। पर जो जानते हैं वे पुराने सिक्कों की कीमत पहचानते हैं और उनके लिए ऐसे सिक्के अनमोल होते हैं। ऐसे ही एक सिक्के की चर्चा है, जो अगर आपके पास है तो आपको करोड़ पति बनने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन जिस सिक्के के बात हम कर रहे हैं, वह भारत का नहीं बल्कि विदेशी है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस सिक्के ने एक शख्स को करोड़पति बना दिया है, जिसे उसकी किस्तम चमक गई। इस अनूठे सिक्के की नीलामी की जानकारी एक शख्स ने टिकटॉक पर शेयर की है। उसने बताया कि कैसे 1933 का वह दुर्लभ सिक्कक्का 140,000 पाउंड यानी एक करोड़ 49 लाख रुपयों में बिका है। @CoinCollectingWizard पर पोस्ट करते हुए, उन्होंने एक नीलामीकर्ता से अपनी नवीनतम खोज पर चर्चा की।

उस व्यक्ति ने कहा, यह मेरा निजी संग्रह है जिसे बहुत दयालुता से उधार दिया गया है। यह बहुत बढ़िया है क्योंकि यह इतना प्रतिष्ठित सिक्का है कि इसे देखने के लिए बहुत से लोग आते हैं। उन्होंने आगे कहा, आमतौर पर ये सिक्के तिजोरियों में गायब हो जाते हैं और फिर कभी नहीं दिखते। आखिरी बार 2016 में लगभग डेढ़ करोड़ की कीमत पर बिका था। इसके पहले सिक्के कई सालों तक बिकते रहे और कोई सोच सकता है कि अगर यह फिर से बाजार में आए तो यह और भी ज्यादा कीमत पर बिकेगा। फिर जब आदमी ने अपना हिस्सा बताया, तो पोस्ट करने वाले ने आगे कहा, यह यू.के. से 1933 का प्रीडेसिमल पेनी है, उन्होंने पूछा, क्या आपके पास 1933 का यह सिक्का है? अगर हां, तो आप अमीर हैं, देखने के लिए दूसरी तारीखें भी हैं, लेकिन यह कभी भी 1933 के पेनी के पागल मूल्य के बराबर नहीं होगा क्योंकि ऐसे केवल सात ही सिक्के हैं जिनकी जनकारी है। तो अगर आपको एक मिल जाए, तो आप बहुत भाग्यशाली हैं। इस कैप्शन में लिखा था, पवित्र ग्रिल 1933 प्रीडेसिमल पेनी, जिसे 1,120 से ज्यादा लाइक मिले और सैकड़ों कमेंट आए। एक जिज्ञासु यूजर ने सवाल किया, वास्तव में कितने के बारे में पता है? जिस पर दूसरे ने जवाब दिया, सिर्फ 6 फिर एक और ने कहा, हमारे पास लगभग 10 साल पहले एक था, लेकिन वह खो गया।

मप्र में सड़क व गड्ढों में अंतर नहीं : कमलनाथ

» कहा- सिर्फ सरकारी धन की हो रही बर्बादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्व सीएम बोले- उखड़ी हुई सड़कें भ्रष्टाचार की दे रहीं गवाही

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राजधानी भोपाल की सड़कों को लेकर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़कों की हालत खराब हो गई है। प्रदेश के स्टेट हाईवे और शहर के अंदर की सड़कों की दशा दयनीय है। खुद राजधानी भोपाल का हाल ऐसा हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है, यह पहचानना मुश्किल है।

उन्होंने आगे लिखा कि इसकी वजह सिर्फ़ यह नहीं है कि मानसून के कारण सड़कें उखड़ रही हैं बल्कि इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ज़्यादातर सड़कें खराब गुणवत्ता की बनाई गईं। उखड़ी हुई सड़कें खुद ही सड़क निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की गवाही दे रही हैं। बारिश में सड़कों का बह जाना बता रहा है कि प्रदेश की मोहन यादव सरकार में भी पिछली शिवराज सिंह सरकार के जमाने की पैसा दो, काम लो की नीति चल रही है और कमीशन और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। कमलनाथ ने लिखा कि मैं मुख्यमंत्री से निवेदन करता हूं कि सड़क निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएं, क्योंकि यह न सिर्फ सरकारी धन की बर्बादी है, बल्कि बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। मध्य प्रदेश के नागरिकों के प्राणों की रक्षा के लिए सड़कों की बेहतर क्वालिटी आवश्यक है।

कमजोर इमारतों में बच्चों को पढ़ाना भीषण जोखिम

कमलनाथ ने आगे लिखा कि भोपाल में ही 42 स्कूलों के जीर्ण-शीर्ण भवनों में चलने की रिपोर्ट सामने आई है। कमजोर इमारतों में बच्चों को पढ़ाना भीषण जोखिम को आमंत्रित करने के बराबर है। ऐसा प्रतीत होता है कि स्कूल भवनों पर किसी तरह का ध्यान न देकर सरकार बच्चों की सुरक्षा से गम्भीर खिलवाड़ कर रही है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि पूरे प्रदेश में सभी तरह के सरकारी और निजी स्कूल की इमारतों की मजबूती की जांच कराई जाए और तत्काल उनकी मरम्मत शुरू की जाए।

विधायक की राहुल पर टिप्पणी से राजस्थान सदन में हंगामा

राजस्थान विधानसभा में आपदा प्रबंधन पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर जो टिप्पणी की उससे कांग्रेसी विधायक आग-बबूला हो गए। शर्मा ने मुंबई हमले की याद दिलाते हुए कहा कि जब हमला हुआ तो कांग्रेस के नेता राहुल गांधी लड़कियों के साथ पार्टी कर रहे थे। यह खबर अखबारों में छपी हुई है। गुड़गांव में वह देर रात पार्टी कर रहे थे। इसके बाद सदन से बाहर भी उन्होंने इस बात को दोहराया। सदन में कांग्रेस विधायकों ने गोपाल शर्मा के इस बयान पर जबरदस्त विरोध जताया और वेल में आकर जोरदार नारेबाजी कर दी।

सदन से सड़क तक विरोध की दी चेतावनी

गरीबों की जेब पर डाका डाल रही बीजेपी : मेघवाल

बीकानेर। राजस्थान विधानसभा में मार्शल की धक्का-मुक्की और मुकेश भाकर के सदन से निलंबन के मामले को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने विरोध जताते हुए कहा कि प्रतिपक्ष के विधायकों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया जा रहा है, वो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक मुकेश भाकर का निलंबन तानाशाही को प्रमाणित करता है। इससे राजस्थान के युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। साथ ही महिला विधायक अनीता जाटव के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनकी चूड़ियां तोड़ दी गईं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को आहत करने वाला है। हम इसका विरोध विधानसभा से लेकर सड़कों तक करेंगे। बिजली बिलों में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि सरकार ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ाकर आम आदमी के हितों पर कुठाराघात किया है। फ्यूल सरचार्ज पर सरकार की तरफ से छूट रहती थी, उसको वापस लगा दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 200 यूनिट बिजली फ्री की थी, लेकिन प्रदेश की जनता को राहत देने की बात करने वाली भाजपा सरकार ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ाकर गरीबों की जेब पर डाका डाला है।

उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाने की कोई योजना नहीं: स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर अपने बेटे, खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री पद पर पदोन्नत करने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। अगस्त के अंत में सीएम की अमेरिकी यात्रा से पहले उदयनिधि की संभावित पदोन्नति की अटकलों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, स्टालिन ने टिप्पणी की कि इस तरह की पदोन्नति के लिए समय उपयुक्त नहीं था। स्टालिन ने स्पष्ट किया, मांग मजबूत हो गई है, लेकिन यह परिपक्व नहीं हुई है।

स्टालिन ने सीट में शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए अपने कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान प्रेस को जवाब दिया। उदयनिधि की पदोन्नति की अफवाहें सबसे पहले 2023 में शुरू हुईं और उन्हें खेल मंत्री नियुक्त किए जाने के बाद गति मिली।

करुणानिधि को छठी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि की छठी पुण्यतिथि पर बुधवार को उन्हें याद किया गया। करुणानिधि की स्मृति में उनके पुत्र और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक शांति रैली निकाली। इससे पूर्व उन्होंने ओमनदुरार राजकीय एस्टेट में स्थापित करुणानिधि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में स्टालिन ने यहां मरीना में स्थित पिता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन के साथ उनकी बहन और लोकसभा सदस्य कनिमोझी, उनके पुत्र और राज्य मंत्री उदयनिधि, वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी और पार्टी नेता मौजूद थे।

बांग्लादेश जैसा हिंसक प्रदर्शन भारत में भी हो सकता है: खुर्शीद

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट के बीच हिंसा का दौर जारी है। पड़ोसी देश होने के नाते भारत के लिए बांग्लादेश के बिगड़े हालात खास चिंता के सबब हैं। वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तो कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद का कहना है ऐसी स्थिति भारत में भी हो सकती है। उन्होंने ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश जैसे हिंसक विरोध प्रदर्शन भारत में भी हो सकते हैं, भले ही अभी सब सामान्य दिख रहा हो।

एक किताब लॉन्च के मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कश्मीर में सब कुछ सामान्य लग सकता है। यहां भी सब सामान्य लग सकता है। उन्होंने आगे कहा, हम जीत का जश्न मना रहे होंगे, हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि 2024 में जीत बहुत मामूली थी और अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। खुर्शीद ने कहा, सच्चाई यह है कि अंदर अंदर कुछ तो सुलग रहा है। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश में जो हो रहा है वह यहां भी हो सकता है... हमारे देश इतना बड़ा है कि बांग्लादेश जैसी स्थिति नहीं हो पाती है। खुर्शीद ने कहा, क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं कहूं कि शाहीन बाग विफल रहा? हम में से बहुत से लोग मानते हैं कि शाहीन बाग सफल रहा।

बोले- अंदर-अंदर कुछ तो सुलग रहा है

राजनीति को राष्ट्रनीति से ऊपर रखा : शहजाद पूनावाला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। शहजाद पूनावाला ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मोदी के प्रति नफरत में वे भारत से नफरत करते हैं। सलमान खुर्शीद/ कांग्रेस समानांतर रेखा खींचती है और बांग्लादेश की हिंसा को भारत में होने के लिए उकसाती/प्रार्थना करती है? क्या वह चाहते हैं कि भारत में हिंदुओं पर हमला हो? वह किसे संकेत दे रहा है? उनके परिवार ने पहले ही एक बार वोट जिहाद कहा था..अब वास्तविक हिंसा? क्या यह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना नहीं है? यह पहली बार नहीं है कि उन्होंने राजनीति को राष्ट्रनीति से ऊपर रखा है.. क्या कांग्रेस उस पर कार्रवाई करेगी। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने लिखा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने भारत में बांग्लादेश जैसा विरोध प्रदर्शन की कामना की। वह किसे संकेत दे रहे हैं, वह किसके संपर्क में हैं, कांग्रेस पार्टी क्या योजना बना रही है? कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सलमान खुर्शीद की टिप्पणी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं इस पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता।

भारतीय हॉकी टीम का स्वर्णिम सपना टूटा

» जर्मनी ने 3-2 से किया पराजित

» अब ब्रॉन्ज मेडल के लिए स्पेन से भिड़ंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक 2024 के सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ 3-2 से हार झेलनी पड़ी है। जर्मनी के मार्को मिल्तको ने आखिरी मिनट में गोल करके टीम इंडिया से जीत छीन ली। एक समय स्कोर 2-2 से बराबरी पर चल रहा था। लेकिन उनके गोल की वजह से भारत को हार का मुंह देखना पड़ा। अब ब्रॉन्ज मेडल के मैच में हॉकी टीम का सामना स्पेन से होगा।

मैच की शुरुआत में ही भारत को कई पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय टीम को सफलता नहीं मिली पाई। इसके बाद सातवें मिनट में भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कोई गलती नहीं की और दमदार अंदाज में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया। फिर भारतीय हॉकी टीम ने पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त कायम रखी। वहीं दूसरे क्वार्टर की शुरुआती में ही जर्मनी की तरफ से गोंजालो पैलेट ने गोल करके मैच में स्कोर 1-1 से बराबर पर दिया। थोड़ी देर जर्मनी की तरफ से ही 27वें मिनट में जर्मनी की तर से क्रिस्टोफर रूट ने गोल कर दिया। इससे मैच में जर्मनी ने 2-1 से लीड हासिल कर ली। दूसरा क्वार्टर पूरी तरह से जर्मनी के नाम रहा। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों से कई गलतियां भी हुईं।

पदक विजेता मनु भाकर का भव्य स्वागत

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए दो पदक जीतने वाली मनु भाकर बुधवार को स्वदेश लौटीं। दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही पहले से उनके इंतजार में खड़े फैंस ने निशानेबाज का भव्य स्वागत किया। इस दौरान मनु के माता-पिता भी मौजूद रहे। मनु के साथ उनके कोच जसपाल राणा का भी जोरदार स्वागत हुआ। मनु ने कहा बेहद खुशी है इतना प्यार मिल रहा है। फैंस ने ढोल-नगाड़ों के साथ दोनों का जोरदार स्वागत किया। वहीं, कुछ फैंस को मनु के साथ सेल्फी लेने का भी मौका मिला। उनके माता-पिता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मनु ने जो उपलब्धि हासिल की है वह किसी भी माता-पिता के लिए गर्व की बात है। मनु की मां सुमेधा भाकर ने कहा, मनु के लिए जो लोगों का अत्यधिक प्रेम है, उसे देखकर अत्यंत प्रसन्न हूं।

संसद में आज नहीं पेश हो सका वक्फ बोर्ड बिल

विपक्ष ने किया सदन में हंगामा एनडीए सरकार पर भड़की कांग्रेस

» कल फिर सदन में रखा जाएगा एक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में आज मानसून सत्र का 13वां दिन है। विपक्ष ने कई मुद्दों पर एनडीए सरकार को घेरा। वक्फ (संशोधन) विधेयक, वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन करेगा। हालांकि इसे आज सरकार ने पेश नहीं किया। सूत्रों की मानें तो कल संसद में इसके पेश किए जाने की संभावना है। विधेयक का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 करना है।

इसमें यह तय करने की बोर्ड की शक्तियों से संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को भी हटाने का प्रयास किया गया है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। यह केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक आधार वाली संरचना प्रदान करता है और ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई को शुरू हुआ और 12 अगस्त को समाप्त होने वाला है। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि मैं तत्काल महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा के उद्देश्य से सदन के कामकाज को स्थगित करने के प्रस्ताव पर अनुमति मांगने के अपने इरादे की सूचना देता हूं, आज मैं जाति-आधारित जनगणना की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करता हूं ।

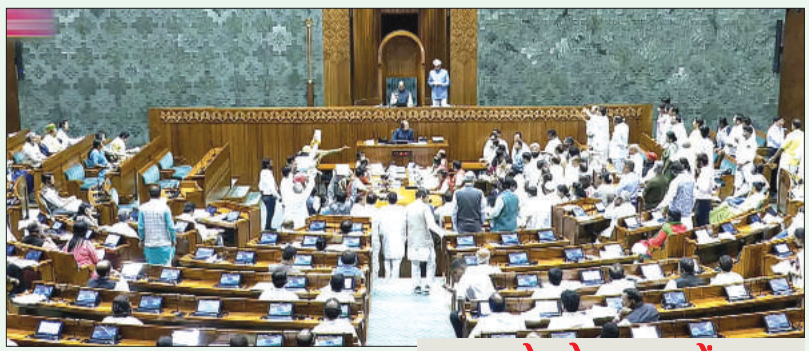

वित्त विधेयक पर विचार किया जाएगा

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए वित्त विधेयक, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश किया था, पर आज लोकसभा में विचार किया जाएगा और पारित किया जाएगा। 6 अगस्त 2024 को निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए निम्नलिखित प्रस्ताव पर आगे विचार करें, अर्थात् वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए केंद्र सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को प्रभावी करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। निर्मला सीतारमण इसे आगे बढ़ाएंगी विधेयक पारित किया जाए।

राहुल ने लोकसभा में उठाया वायनाड भूस्खलन का मुद्दा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में केरल के वायनाड में आए भूस्खलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्र से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाने तथा समग्र पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि वायनाड में पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न समुदाय के लोग आगे आए, जिसे देखकर अच्छा लगा। वायनाड भूस्खलन को लेकर लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपनी बहन (प्रियंका गांधी वाड्रा) के साथ कुछ दिन पहले वायनाड का दौरा किया और अपनी आंखों से आपदा के बाद भयावह विनाश और पीड़ा के मंजर को देखा। करीब दो किलोमीटर तक पहाड़ ढह गया और चट्टानों एवं गाद का अंबार लग गया। उन्होंने आगे बताया कि इस आपदा में 300 से अधिक लोगों की जान चली गई और अभी भी बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। वायनाड के पूर्व लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने इस आपदा की स्थिति पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक, जिला प्रशासन, वन विभाग और दमकल विभाग के बचाव और राहत कार्यों की प्रशंसा की।

दिल्ली कोचिंग हादसे की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ली

» एफआईआर की प्रक्रिया जारी, 9 अगस्त को कोर्ट में फिर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कोचिंग में हुई मौतों के मामले में नवीनतम घटनाक्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को मामले को अपने हाथ में ले लिया और प्राथमिकी दर्ज की। इससे पहले आज राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिल्डिंग के सह-मालिकों की जमानत याचिका पर सुनवाई की, जहां सीबीआई की ओर से वकील ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी ओर, इमारत के सह-मालिकों के वकील ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 अगस्त को मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया था।

उन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल सिर्फ इमारत के मालिक हैं और जब तक सीबीआई जांच शुरू नहीं करती, तब तक उन्हें अंतरिम जमानत प्रदान की जानी चाहिए। अदालत ने सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले को 9 अगस्त के लिए सूचीबद्ध किया। अदालत ने कहा कि एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और यह प्रक्रिया में है। अदालत ने कहा कि वह स्थिति रिपोर्ट दाखिल होने के बाद जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। विशेष रूप से, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 अगस्त को ओल्ड राजिंदर नगर में तीन यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत की जांच सीबीआई को स्थानांतरित कर दी थी। अदालत ने इस निर्णय के कारणों के रूप में घटनाओं की गंभीरता और लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार में संभावित संलिप्तता का हवाला दिया।

बिभव के खिलाफ दिल्ली पुलिस की चार्जशीट दाखिल

बिभव कुमार के खिलाफ दायर आरोपपत्र में दिल्ली पुलिस ने संकेत दिया है कि हमले के पीछे बड़ी साजिश हो सकती है। दिल्ली पुलिस ने अपने आरोप पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर आप सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के तुरंत बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी अपने करीबी सहयोगी विभव कुमार के साथ मौजूद थे। पुलिस फिलहाल इस बात की जांच कर रही है कि क्या मुख्यमंत्री की आरोपियों से निकटता और उसके बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं की हरकतें इस हमले को छुपाने के समन्वित प्रयास का संकेत देती हैं। पुलिस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि घटना के बाद आप नेताओं आतिशी और संजय सिंह दोनों ने संभावित साजिश के बारे में सवाल उठाते हुए अपने बयान बदल दिए।

फोटो :4 पीएम

मौसम बुधवार की सुबह झमाझम बारिश से भीगी राजधानी, स्कूल जाते बच्चों को हुई परेशानी। ऑफिस जाने वाले लोगों को भी बारिश ने भिगोया।

स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ का जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ (रजि) ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। संघ ने कई समस्याओं के निराकरण हेतु 15 जुलाई को प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को को पूरा किये जाने पत्र भेजकर संगठन प्रतिनिधि मण्डल के साथ वार्ता करने का अनुरोध किया गया था।

परन्तु इतने दिन बीत जाने पर भी व शासनस्तर से कोई कार्यवाही न होने से संगठन को विवश होकर प्रदेश स्तरीय आन्दोलन करने जिसके तहत संगठन अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर 7 अगस्त को मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु लखनऊ के कार्यालय का घेराव कर अपनी निम्न मांगों सगठन की समस्त 15 मांगों को पूरा किये जाने हेतु एकत्रित हुये हैं। कर्मियों ने गैर जनपद स्थानान्तरण का अनुमोदन एव संविदा कर्मचारियों हेतु भी म्यूचुअल फंड आदि पर चर्चा करने की मांग की।

अपनी मांगों को लेकर लखनऊ के कार्यालय का किया घेराव

भारत ने बांग्लादेश से अंबेसी कर्मियों को वापस बुलाया

» उच्चायोग में काम जारी रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश में जारी सियासी उथल-पुथल के बीच भारत ने उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इसे लेकर सरकार ने एडवायजरी भी जारी की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। दूसरी तरफ बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले भी जारी हैं। ऐसे में स्थिति के संवेदनशील होने के बाद भारत ने पूरे घटनाक्र म पर करीब से नजर रखी है।

ढाका में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों और उनके परिवारों की वापसी वाणिज्यिक उड़ान जरिए हुई है। सभी राजनयिक फिलहाल उच्चायोग में ही रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि उच्चायोग में काम जारी रहेगा। बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए एयर इंडिया और इंडिगो ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिए विशेष उड़ानें संचालित कीं। इसके जरिए 400 से अधिक लोगों को भारत लाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की विशेष उड़ान से बुधवार सुबह छह बच्चों समेत 205 लोगों को भारत लाया गया। इंडिगो ने भी एक बयान जारी कर कहा कि ए321 नियो विमान से संचालित चार्टर्ड उड़ान मंगलवार रात ढाका से रवाना हुई थी और इसके जरिये छह बच्चों व 199 वयस्कों सहित 205 लोगों को भारत लाया गया। वहीं एअर इंडिया भी दिल्ली से ढाका के बीच अपनी दो दैनिक उड़ानों को बुधवार से संचालित करेगी। इसके साथ विस्तारा भी बुधवार से तय समयसारिणी के अनुसार ढाका के लिए उड़ानों का संचालन करेगी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे।

आज से ढाका के लिए संचालित होंगी और उड़ानें

आज हो जाएगा अंतरिम सरकार का गठन!

नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सदस्यों के नाम पर बुधवार को मुहर लग जाएगी। बांग्लादेश के प्रदर्शनकारी नेताओं ने उम्मीद जताई है। दरअसल, प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद छोड़कर भारत भाग जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने छात्रों की एक प्रमुख मांग को पूरा करते हुए मंगलवार देर रात यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया। उनके कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट से उबरने के लिए शेष सदस्यों के नाम पर भी जल्द ही मुहर लगनी चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।